भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.07.2025 के
तारांकित प्रश्न सं. 54 का उत्तर

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन

*54. श्री मुकेश कुमार चंद्रकांत दलाल:
श्री देवुसिंह चौहान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मुम्बई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की वर्तमान स्थिति और योजना का अद्यतन चरण-वार ब्यौरा क्या है तथा इसके पूरा होने और इसके प्रचालन की शुरुआत की समय-सीमा क्या है;

(ख) इस परियोजना के लिए जापान इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) अथवा अन्य अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण निकायों से प्राप्त वित्तीय सहायता सहित अब तक आबंटित और उपयोग की गई कुल धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय मंजूरी और प्रौद्योगिकीय भागीदारी सहित प्रमुख चुनौतियों के कारण परियोजना में विलंब हुआ है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उनके समाधान के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(घ) क्या सरकार ने अन्य गलियारों तक तीव्र गति वाले रेल नेटवर्क का विस्तार करने के लिए कोई व्यवहार्यता अध्ययन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) तीव्र गति वाली रेल के लिए सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या मध्यम श्रेणी और निम्न आय वर्ग के यात्रियों के लिए वहनीयता और सुलभता सुनिश्चित करने के लिए कोई राष्ट्रीय कार्यनीति है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

दिनांक 23.07.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 54 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च): मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 किलोमीटर) को जापान सरकार की तकनीकी और वित्तीय सहायता से निष्पादित किया जा रहा है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजर रही है और मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशन बनाए जाने की योजना बनाई गई है।

वापी और साबरमती के बीच गलियारे के गुजरात वाले हिस्से को दिसंबर, 2027 तक पूरा किए जाने की योजना बनाई गई है। संपूर्ण परियोजना (महाराष्ट्र से साबरमती खंड) के दिसंबर, 2029 तक पूरा होने की संभावना है। बहरहाल, बुलेट ट्रेन परियोजना एक बहुत ही जटिल और प्रौद्योगिकी साध्य परियोजना है। इस परियोजना के पूरा होने की सटीक समय-सीमा सिविल संरचनाओं, रेलपथ, बिजली, सिगनल एवं दूरसंचार के सभी संबंधित कार्यों के पूरा होने तथा ट्रेनसेटों की आपूर्ति के बाद उपयुक्त रूप से निर्धारित की जा सकती है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 1,08,000 करोड़ रुपए है, जिसमें से जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) परियोजना लागत का 81% अर्थात् 88,000 करोड़ रुपए का वित्तपोषण कर रही है। शेष 19% लागत अर्थात् 20,000 करोड़ रुपए रेल मंत्रालय (50%) और महाराष्ट्र (25%) व गुजरात (25%) राज्य सरकारों के इक्विटी योगदान से वित्तपोषित की जाएगी। 30.06.2025 तक, परियोजना पर कुल 78,839 करोड़ रुपए का वित्तीय व्यय किया गया है।

महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण परियोजना 2021 तक प्रभावित हुई है। बहरहाल, वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) का अधिग्रहण कर लिया गया है। अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण और भू-तकनीकी जाँच का कार्य पूरा कर लिया गया है तथा संरेखण को अंतिम रूप दे दिया गया है। वन्यजीव, तटीय विनियमन क्षेत्र और वन संबंधी सभी सांविधिक स्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली गई हैं। परियोजना के सभी सिविल ठेके दिए जा चुके हैं। कुल 28 निविदा पैकेजों में से, 24 निविदा पैकेज जारी किए जा चुके हैं।

अब तक, 392 किलोमीटर पियर निर्माण, 329 किलोमीटर गर्डर कास्टिंग और 308 किलोमीटर गर्डर लॉन्चिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 किलोमीटर) का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

भारत में मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारे से आगे हाई स्पीड रेल नेटवर्क का विस्तार करने और वाणिज्यिक/आर्थिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रमुख शहरों के बीच बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने के लिए, नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्टें (डीपीआर) तैयार की जा रही है।

हाई स्पीड रेल परियोजनाएँ अत्यधिक पूंजी प्रधान होती हैं और नई परियोजना शुरू करने का कोई भी निर्णय तकनीकी व्यवहार्यता, वित्तीय और आर्थिक अर्थक्षमता, यातायात की मांग और निधि की उपलब्धता एवं वित्तपोषण संबंधी विकल्पों आदि जैसे कई कारकों पर आधारित होता है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के वाणिज्यिक संचालन में हाई स्पीड रेल खंडों की इष्टतम लोकप्रियता के लिए ग्राहकों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सेवाओं के लिए किफायती किराया-संरचना शामिल है।

*****